सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 271 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 9 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

भारत ने पहले टी-20 में अफ्रीका को... 7 | महाराष्ट्र : चुनावी प्रचार में सियासी... 3 | बीजेपी की नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था... 2

'बटेंगे कटेंगे' नारा फेल, यूपी में चल रही पीडीए की रेल!

अखिलेश ने इस नारे को अपने पक्ष में गढ़कर बीजेपी को बैकफुट पर ला दिया

» राहुल गांधी की लाल किताब फिर चर्चा में
» झारखंड में सोरेन ने बनाई बढ़त
» महाराष्ट्र में भी बीजेपी का नहीं बन रहा महौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के लिए अग्निपरीक्षा साबित होने जा रहे इन चुनावों में यूपी की प्रयोगशाला में गढ़ा गया नारा कटेंगे तो बटेंगे क्या फेल हो चुका है? महाराष्ट्र हो या फिर झारखंड या फिर यूपी के महत्वपूर्ण उप–चुनाव सभी जगह हवा का रूख बदल चुका है। बदलते रूख को देखते हुए बीजेपी ने अपनी रणनीति भी बदली है। महाराष्ट्र की फिजा चुनाव से पहले स्पष्ट संकेत दे रही है कि वहां क्या होने जा रहा है।

झारखंड मे हेमेंत सोरेन भी बीजेपी कि पिच पर नहीं फंसे और इस चुनाव को बाहरी बनाम झारंखडी बना दिया। वह लगातार बीजेपी के मजबूत लोगों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल करा रहे हैं। कोमोवेश ऐसा ही हाल यूपी की फिजा में भी देखने को मिल रहा है। यूपी में कहा यह जा रहा है कि यदि चुनावी नतीजे बीजेपी के फेवर में नही आये तो यूपी का सियासी चेहरा बदल दिया जाएगा। यूपी की मौजूदा परिस्थितियां तो इसी ओर इशारा कर रही है इस नारे का कोई असर जनता पर नहीं हुआ है उल्टा नारे का फायदा विपक्ष को मिला और उसने इसी नारे के दम पर अपने लिए पाजिटिव महौल बना लिया। शायद यही कारण है कि नारा फेल हो जाने के बाद चुनाव की तिथियों में बदलाव किया गया और नये महौल के लिए सीएम योगी ने पीएम मोदी से मिलकर समय मांगा। 10 दिन का समय मिला और इन्ही 10 दिनों मे उप—चुनाव के लिए महौल बनाना है। सीएम योगी ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं। और कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे।

'डरे हुए इंसान करते हैं नकारात्मक बातें'

सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम ने सीएम योगी आदित्यनाथ के सपाइयों और बेटियों को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि डरे हुए इंसान की सबसे बड़ी पहचान उसकी नकारात्मक बाते होती हैं। जिनके पास अपनी कोई उपलब्धि नहीं है, वह दूसरों की बात करते हैं। हालांकि, अपने बयान में उन्होंने सीएम का उल्लेख नहीं किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि नकली मुस्कान असलियत नहीं छुपा सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की 8 साल की सरकार की कोई उपलब्धि नहीं है। जिसे जनता के बीच बताए। जनता भाजपा का सूपड़ा साफ करने को तैयार है। इसीलिए भाजपा नेतृत्व बदहवासी में अर्नगल और निम्नस्तरीय बयानबाजी पर उतर आया है।

आनन-फानन में जारी करनी पड़ी छात्रवृत्ति योजनाओं की लिस्ट

सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए पूर्वदशम् और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं की समय सारिणी का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना और उनके आर्थिक बोझ को कम करना है। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि राज्य में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों और अन्य उच्च कक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का द्वितीय चरण जारी कर दिया गया है।

लोकसभा की तर्ज पर पिछड़ा फैक्टर चलेगा

इन उपचुनावों में लोकसभा चुनाव की तर्ज पर पिछड़ा फैक्टर ही चल रहा है। सपा ने बड़ी खूबसूरती के साथ एक बार चुनाव की बिसात पिछड़ों के इर्द गिर्द सजा दी है। बाकी कसर राहुल गांधी ने पूरी कर दी और चुनाव आते–आते उनकी लाल किताब की चर्चा चारों ओर हो रही है। चाहे ट्रोलर्स हो या फिर समाजिक आलोचक चर्चा सिर्फ राहुल की कर रहे हैं। राजनीतिक पंडितों का यही कहना है कि राहुल गांधी ने बड़ी ही चालाकी से एक बार फिर बीजेपी को अपनी पिच पर खेलने के लिए मजबूर कर? दिया है। तभी तो वह कटेंगे तो बटेंगे छोड़ कर पिछड़ों के लिए लोकलुभावन योजनाओं की प्रचार कर रही है।

जब भैंस हम लोगों को पटक ही नहीं सकी तो भाजपा वाले क्या पटकेंगे : तेजस्वी

राजद सुप्रीमो तेजस्वी यादव ने नागपुर वाला लड़ाया तो लड़ेंगे नहीं नालंदा वाला और नागपुर वाला को दिखाना है। उधर महाराष्ट्र में योगी जी बांटने के लिए क्या-क्या बोल रहे हैं? यह आप लोगों को समझना है और एकजुट हो जाना है। जब भैंस हम लोगों को पटक ही नहीं सकी तो भाजपा वाले क्या पटकेंगे। वहीं जदयू सांसद ललन सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि जिसको दस्त लगा है, वह शंख फूंक रहा है। 20 में हम बोलते थे नौकरी देंगे तो नीतीश कहते थे कि अपने बाप के पास से लायेगा नौकरी।

हिन्दू-मुसलमान की एकता से ही देश आगे बढ़ेगा : अठावले

केंद्रीय मंत्री और आरपीआई-आठवले के अध्यक्ष रामदास अठावल ने कहा है कि देश हिंदू-मुस्लिम एकता से ही आगे बढ़ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को लेकर आए फैसले का भी स्वागत किया। नासिक में रामदास अठावले ने कहा, कि हम मुसलमानों का विरोध नहीं करते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने मुसलमानों के बारे में जो बयान दिया है उससे हम सहमत हैं, हिन्दू-मुसलमान की एकता ही देश को मजबूती से आगे बढ़ा सकती है। उधर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटोंगे तो कटोगे वाले बयान में महायुति में तकरार देखने को मिल रही है। जहां, एक तरफ एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने इस नारे पर सवाल खड़े किए हैं तो एकनाथ शिंदे के नेता संजय निरुपम का कहना है कि इसमें कुछ गलत नहीं है, निरुपम ने ये भी कहा कि अजित पवार अभी इसे नहीं समझ रहे हैं लेकिन आगे जरूर समझेंगे।

बीजेपी की नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद किया : अखिलेश यादव

» बोले- महंगाई कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोटबंदी की बरसी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरा अध्याय काले रंग से ही छापा जाएगा। नोटबंदी की आठवीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 84.23 प्रति डॉलर पर खुला।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। आज जो चरम महंगाई व बेरोजगारी दिखाई दे रही है, उसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा सरकार ने महंगाई कम करने के झूठे वादे किए, लेकिन 10 साल में महंगाई कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है।

काले रंग से लिखा जाएगा आठ नवम्बर का अध्याय

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी की आठवीं सालगिरह पर कहा कि इतिहास में ये अध्याय काले रंग से लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे-का-पूरा अध्याय सिर्फ़ काले रंग से ही छापा जाएगा। अब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर 'रिकार्डतोड़' नहीं गिरा है बल्कि डॉलर ऊपर उठा है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। रुपया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

काले धन से बनाए गए बीजेपी कार्यालय : तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने उन लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने नोटबंदी के बाद अमान्य हो चुके नोट जमा करने के लिए बैंकों के बाहर ''लगी लंबी कतारों में अपनी जान गंवा दी''। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में जमीन खरीदीं और उन पर भव्य पार्टी कार्यालय बनाए, जो संभवतः काले धन से बनाए गए। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने बातचीत में व्यंग्यात्मक लहजे में 'बरसी' शब्द का भी इस्तेमाल किया जो पुण्यतिथि पर आयोजित की जाने वाली रस्म है।

आम छात्रों का पैसा संघ के विचारों को बढ़ाने में खर्च किया जा रहा है : अजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पं दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की क्रीड़ा संकुल (मुख्य मैदान) में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी)का 70वां राष्ट्रीय अधिवेशन निमित भूमि पूजन समारोह पर सियासी बवाल मचा है। कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन द्वारा स्वयं आमंत्रण पत्र बांटा जा रहा है। विश्वविद्यालय शिक्षकों के ग्रुप पर कुलपति और प्रति कुलपति शिक्षकों को आने के लिए बाध्य कर रहे हैं। यह शिक्षण संस्थानों के संघीकरण की कोशिश है, जिसकी भर्त्सना करते हैं। यह भी कहा कि आम छात्रों की शिक्षा एवं उनके विकास का पैसा संघ के विचारों को बढ़ाने एवं उसके अनुषांगिक संगठन एबीवीपी को मजबूत करने में खर्च किया जा रहा है, जो निंदनीय है।

गोरखपुर विवि में एबीवीपी के कार्यक्रम पर बिफरी कांग्रेस

पूर्वाग्रही कुलपति के खिलाफ कार्रवाई हो

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह घृणित कार्य सर्वोच्च शिक्षण संस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा सिर्फ सरकार की चाटुकारिता एवं पद पर बने रहने की लोलुप्ता की वजह से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कुलपति द्वारा किए जा रहे इस निंदनीय कार्य की सख्त आलोचना करती है। उन्होंने राज्यपाल से मांग की कि इस पूर्वाग्रही कुलपति के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

हिमाचल में समोसे पर सियासत भाजपा व कांग्रेस में बढ़ी तकरार

» सरकार को बदनाम करने की साजिश : नरेश चौहान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल में समोसे पर सियासत गरमाई हुई हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल गलत बयानबाजी है। कोई इस तरह की कोई जांच नहीं हुई है। हमें समझ नहीं आता कि यह कैसी न्यूज चल रही है और क्या यह इन सब के पीछे सोच क्या है। इस सरकार को बदनाम करने के लिए कुछ लोग मिलकर साजिश करते हैं। ऐसी कोई इंक्वायरी सरकार ने ना इनिशिएट की है ना ही कोई हो रही है।

नरेश चौहान ने कहा कि यह एक इंटरनल मैटर सीआईडी विभाग का हो सकता है, क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री पिछले दिनों उनके पुलिस डिपार्टमेंट का फंक्शन था और स्पेसिफिकली सीआईडी वालों का था। उसमें मुख्य अतिथि के रूप में गए थे और आप सभी लोग जानते हैं कि यह मुख्यमंत्री बाहर का खाने पीने का बहुत क्रेज है। नरेश चौहान ने कहा कि माहौल कुछ भी हो। विपक्ष को जिम्मेवार होना पड़ेगा। विपक्ष की जिम्मेवारी प्रदेश के लोगों के प्रति है। आप विपक्ष में है। आप पिछले दिनों सत्ता पक्ष में भी थे जिम्मेवारी के साथ होना चाहिए, लेकिन भाजपा में दुर्भाग्यपूर्ण। जो लीडरशिप जैसी भाजपा हो चुकी है, हिमाचल प्रदेश में इसके चार चार दिशा में भाजपा जाती है। लीडर व्यस्त होने की वजह से स्ट्रेटजी ना होने की वजह से अपनी प्राथमिकताएं तय नहीं कर पा रही है। भाजपा हिमाचल प्रदेश में आपकी, आपको राष्ट्र के चुनाव, दूसरे राज्यों के चुनाव के मद्देनजर आप अपने प्रदेश का बदनामी करने में लगे हो। किसी भी विषय पर गंभीरता होनी चाहिए। आपको तो अपना प्रदेश का भला होना चाहिए, वह देखना चाहिए।

'साढ़े छह साल में हमसे बहुत कुछ छीना गया'

» सीएम उमर बोले- विस सत्र छोटा है लेकिन ऐतिहासिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में विधानसभा का सत्र 45 मिनट के लिए बढ़ा दिया गया। इस दौरान विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि साढ़े छह साल के बाद बोलने का मौका मिला है। इतना कुछ बदला यकीन नहीं होता है। हमने बहुत कुछ खोया है।

आगे कहा कि इस कुर्सी पर अल्लाह ने मुझे जितना समय दिया है। मैं एक दिन भी जाया नहीं होने दूंगा। लोगों के हर मसले को हल करने की कोशिश करूंगा। यह सत्र छोटा है लेकिन इतिहासिक है। इस दौरान उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा पर भी टिप्पणी की। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस जज्बात के साथ उनके मसले हल होंगे। उनकी आवाज सदन में उठाई जाएगी। मैंने पहले दिन से कहा कि यह असेंबली जम्मू कश्मीर के अवाम की है। यह हुकूमत जम्मू कश्मीर के

अवाम के लिए है। यह हुकूमत सिर्फ हमारी नहीं, उन लोगों की नहीं जो असेंबली में हैं। यह उन सबकी है जो जम्मू कश्मीर के बाशिंदे हैं। आगे कहा कि बहुत लोग यह उम्मीद नहीं कर रहे थे कि चुनाव होंगे। इलेक्शन हुए नतीजे आए और लोगों ने चुनकर हमें भेजा। वक्त भी कैसे बदलता है स्पीकर साहब।

हमारे साथ पांच साल पहले ऐसी चीजें की जो पूरा बेइज्जत करने के लिए था। क्या इसलिए कि हमने यहां देश का झड़ा कायम रखा। आज नई शुरुआत है। आज जिन बातों का जिक्र किया शायद दोबारा नहीं करूंगा। मैं उन लोगों में से हूं जो पीछे मुडकर नहीं देखता मेरी नजर हमेशा मंजिल की तरफ है। मैं उपराज्यपाल के खुतबे को लेकर यहां खड़ा हुआ हूं। हम चाहते हैं कि एक बहस हो मुद्दों पर बहस हो।

हमारा एजेंडा व्हाट्सएप, फेसबुक या ट्विटर से तय नहीं होगा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं एक्स पर बहुत लिखता हूं। लेकिन पढ़ता बिल्कुल नहीं हूं। मुझे फेसबुक देखने की आदत नहीं है और मैं सिर्फ अपने पिता से व्हाट्सएप पर सुनता हूं। आगे कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि हमारा एजेंडा व्हाट्सएप, फेसबुक या ट्विटर से तय नहीं होगा। हमारा एजेंडा जम्मू-कश्मीर के लोग तय करेंगे। भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसमें तेजी भी लाई जाएगी। यहां कुछ सदस्यों ने कुछ सुझाव दिए हैं, जिन पर हम बाद में विचार करेंगे। बिजली को लेकर लोगों से किए गए हमारे वादों का जिक्र किया गया है। उसे भी जल्द ही लागू किया जाएगा। लोगों को गैस सिलेंडर देने और राशन का पैमाना बढ़ाने का वादा भी बहुत जल्द लोगों के सामने रखा जाएगा।

चुनाव के पहले ही महायुति में झगड़े शुरू : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विधानसभा क्षेत्र बारामती में रैली के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध नहीं करने संबंधी राकांपा अध्यक्ष के बयान को लेकर महायुति को आड़े हाथ लेते हुए कांग्रेस ने दावा किया कि राजग में चुनाव के बीच में झगड़ा शुरू हो गया है।

बारामती से मौजूदा विधायक अजित पवार अपने भतीजे और शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (एसपी) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। अजित पवार ने कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अपने विधानसभा क्षेत्र में रैली

» अजित पवार के बारामती में रैली के लिए पीएम मोदी को न बुलाने पर कसा तंज

करने के लिए इसलिए अनुरोध नहीं किया क्योंकि वहां परिवार की लड़ाई है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में दावा किया कि महाराष्ट्र में चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में झगड़ा शुरू हो गया है। कांग्रेस ने कहा, ''अजित पवार ने साफ कहा है कि नरेन्द्र मोदी को मेरे इलाके में रैली करने की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र : चुनावी प्रचार में सियासी प्रहार!

महायूति व महाविकास अघाड़ी में खींची तलवार

- धारावी प्रोजेक्ट पर उद्धव ठाकरे व शिंदे में तकरार
- योगी के बयान पर भी घमासान
- यूबीटी व भाजपा में वार-पलटवार
- वोट जिहाद पर भी सियासत तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार में तेजी आना शुरू हो गई है। महायूति व महाविकास अघाड़ी के सारे शीर्ष नेताओं ने राज्य की खाक छानना शुरू कर दिया है। जहां इंडिया गठबंधन की ओर उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी व शरद पवार ने मोर्चा संभाला है। वहीं एनडीए गठबंधन की तरफ से मोदी, शाह, योगी, सीएम शिंदे व फणनवीस झंडा बुलंद कर रहे हैं। प्रचार में जहां एक दूसरे पर वार-पलटवार जारी है तो वहीं दोनों गठबंधन कमियां भी निकालने में लगी हुई हैं। अभी हाल ही में यूबीटी शिवेसना ने अपनी घोषणा पत्र में धारावी प्रोजेक्ट को खतम करने की बात कही थी। उसको लेकर राज्य के सीएम एकनाथ शिंदे उद्धव को घेरा है।

वहीं पीएम मोदी ने भी महाविकास अघाड़ी पर प्रहार किया है। जबकि कांग्रेस ने भाजपा पर हमला जारी रखते हुए कहा कि दस साल में कोई उपलब्धि तो सरकार के खाते में नहीं है इसलिए वह अनाप-शनाप बयान देकर लोगों को भ्रमित कर रही है। इस बीच कई बड़े कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि महाराष्ट्र में एनडीए व बीजेपी का वजूद खतम हो रहा है अब वहां पर इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले मुस्लिम संगठनों द्वारा एमवीए के समर्थन में चल रहे चुनाव प्रचार और उनकी मांगों को लेकर भारतीय जनता पार्टी कई सवाल खड़े कर रही है। बीजेपी का आरोप है कि इस पूरे मामले में वोटों का ध्रुवीकरण किया जा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय को अपनी तरफ खींचने के लिए कई प्रकार के वादे भी किया जा रहे हैं। ऐसे ही संगठनों में से एक मराठी मुस्लिम सेवा संघ का एक लेटर सामने आया है, जिसमें उन्होंने महा विकास आघाड़ी के लिए वोट देने की अपील की है, फिलहाल, इसमें कई मांगें विवादित हैं, मराठी मुस्लिम सेवा संघ महाराष्ट्र के रत्नागिरी की तरफ काम करता है। वहीं, बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर इस संस्था और इस प्रकार की कई संस्थाओं के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है।

महाराष्ट्र में अघाड़ी पर बरसे पीएम मोदी

रैली को संबोधित करते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, विकसित महाराष्ट्र और विकसित भारत के लिए हमारी महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके जीवन को आसान बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज तेजी से प्रगति करता है। प्रधानमंत्री ने संबोधन के दौरान धुले में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाअघाड़ी की गाड़ी में न पहिए हैं, न ब्रेक है और ड्राइवर की सीट पर बैठने के लिए झगड़ा हो रहा है। चारों तरफ से अलग-अलग हॉर्न सुनाई दे रहे हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा, महाराष्ट्र की हर महिला को इन अघाड़ी वालों से सतर्क रहना होगा। ये लोग कभी भी नारी शक्ति को सशक्त होते नहीं देख सकते। पूरा महाराष्ट्र देख रहा है कि कांग्रेस, अघाड़ी के लोग अब महिलाओं को गाली देने लगे हैं। किस तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। महाराष्ट्र की कोई भी माता-बहन अघाड़ी वालों के इस कृत्य को

माफ नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जैसे ही कांग्रेस और INDIA गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, उन्होंने कश्मीर के खिलाफ अपनी साजिशें शुरू कर दीं दो दिन पहले, उन्होंने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया। क्या देश यह स्वीकार करेगा? अपनी धुले की रैली में पीएम मोदी ने कहा कि महायुति का वचननामा शानदार रहा है। महायुति ने जो वायदा किया उसे पूरा किया, लेकिन कुछ लोग आखों में धूल फेकने का कारोबार कर रहे हैं।

उद्धव खुद बंगले में रह रहे, लोगों को कीचड़ में रखा : शिंदे

शिंदे ने कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि उद्धव को क्या परियोजनाओं पर रोक लगाने और उन्हें बंद कराने के अलावा भी कुछ आता है। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) से और क्या उम्मीद की जा सकती है। उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में धारावी पुनर्विकास योजना रद्द करने का वादा किया है। सीएम शिंदे ने कहा कि धारावी में 1-2 लाख लोग खराब स्थिति में रहते हैं, ये लोग कीचड़, गंदगी में रहते हैं, वहां आसपास बहुत ही गंदगी है, जबकि ये नेता खुद बड़े घरों और बंगलों में रहते हैं और गरीबों को कीचड़ में रखते हैं, सीएम एकनाथ शिंदे का कहना है कि उनकी सरकार ने धारावी में सभी को घर देने का ऐलान किया है, एक घर की कीमत कम से कम एक करोड़ रुपए होगी तो 2 लाख करोड़ रुपए के घर वहां पर बनेंगे। सीएम शिंदे ने कहा कि वहां पर महाविकास अघाड़ी ने पहले बिल्डर को जो छूट दी थी उसमें अब कैपिंग कर दिया है। टीडीआर में कैपिंग कर दिया है। सबको घर देने की जिम्मेदारी दी है। पहले डेवलपर से उनकी जमती थी तो अब क्यों नहीं बन रही है। सीएम शिंदे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या मैच फिक्सिंग खत्म हो गया। सीएम शिंदे ने कहा कि महा विकास अघाड़ी सरकार ने ढाई साल में जो काम किया और महायुति ने सवा दो साल में उससे ज्यादा काम कर दिया। उन्होंने एमवीए को खुली चुनौती देते हुए पूछा कि वह बताएं कि उन्होंने क्या किया है। ये भी बताना चाहिए कि आपने कितने काम रोक दिए और हमने कितने काम शुरू किए और कितनी कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। सीएम शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री माझी लाड़ली बहन योजना हमने शुरू की. उन्होंने उसका भी विरोध किया। ये लोग हमें फॉलो कर रहे हैं। हमारी सभी योजनाओं की नकल कर रहे हैं। लाड़ली बहना, लाड़ले भाई लाड़ले किसानों का हमने कर्ज माफ करने का फैसला लिया तो उन्होंने भी ले लिया। एमवीए वाले हमारी कॉपी कर रहे हैं।

योगी के बटेंगे तो कटेंगे से अजित पवार ने बनाई दूरी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली में अपना नारा बटेंगे तो काटेंगे दोहराने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार ने कहा कि राज्य के लोग ऐसी टिप्पणियों की सराहना नहीं करते हैं। इस कदम को महायुति की प्रमुख सहयोगी राकांपा द्वारा चुनाव अभियान में अपने नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए नारे को लेकर भाजपा से दूरी बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। योगी की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए

उपमुख्यमंत्री पवार ने पुणे में कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है। पवार ने कहा कि किसी को भी महाराष्ट्र की तुलना दूसरे राज्यों से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाहर से कुछ लोग यहां आते हैं और बयान देते हैं, लेकिन महाराष्ट्र ने कभी भी सांप्रदायिक विभाजन स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने मीडिया से कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले का है। आप महाराष्ट्र की तुलना दूसरे राज्यों से मत कीजिए, ये बात महाराष्ट्र की जनता को पसंद नहीं है। शिवाजी महाराज की शिक्षा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की थी।

मराठी मुस्लिम सेवा संघ की अपील

क्या आप सैकड़ों बेगुनाह मुसलमानों की लिंचिंग करवाने वालों को वोट करोगे? क्या आप मुसलमानों से अलीगढ़ छीनने वालों को वोट करोगे? क्या आप मुसलमानों पर समान नागरिक संहिता थोपने वालों को वोट करोगे? क्या आप मदरसों को खत्म करने का इरादा रखने वालों को वोट करोगे? क्या आप वक्फ के खिलाफ वालों को वोट करोगे? क्या आप हम पर सीएए, एनआरसी थोपने वालों को वोट करोगे? क्या आप हमारी बेटियों के सिरों से हिजाब खींचने वालों को वोट करोगे? क्या आप मस्जिद में घुसके मारने वाले के साथ खड़े होने वाली पार्टियों को वोट करोगे? क्या आप बुलडोजर से हमारे मुसलमानों की बस्तियां उजाड़ने वालों को वोट करोगे? महाविकास अघाड़ी को अपना कीमती वोट देकर कामयाब बनाइए।

राज ठाकरे के लाउडस्पीकर वाले बयान पर भड़के अबू आजमी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे का एक बयान सामने आया। अब राज ठाकरे के बयान पर पलटवार किया जा रहा है। राज ठाकरे के बयान पर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे सस्ती शोहरत पाने के लिए ऐसी बातें करते हैं, लोग इतने भोले नहीं हैं कि उनकी बातों में आ जाएं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इन नफरत के पुजारियों की राजनीति खत्म हो जानी चाहिए। आपको बता दें कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अमरावती में एक रैली के दौरान मस्जिदों

पर लाउडस्पीकर का मुद्दा फिर उठाया। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव होंगे और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम नेता महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए वोट मांगने के लिए मस्जिदों से फतवा जारी कर रहे हैं। इसके बात उन्होंने कहा कि मुझे शक्ति दीजिए और मैं सुनिश्चित करूंगा कि महाराष्ट्र में किसी भी मस्जिद पर एक भी लाउडस्पीकर न हो।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शीर्ष अदालत का छुट्टियों पर उत्तम फैसला!

शीर्ष अदालत ने कोर्ट की छुट्टियों के मामलें में एक उत्तम फैसला दिया है। इससे कोर्ट में काम वाले दिनों की संख्या बढ़ जाएगी। इससे कुछ मुकद्मों की सुनवाई हो सकेगी और न्यायलयों पर बोझ भी कम हेगा।दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अब बदलाव करके लंबी छुट्टियों को आंशिक अवकाश में बदल दिया गया है, सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि छुट्टियों की संख्या 90 दिनों से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। जिनमें रविवार शामिल नहीं हैं, पहले यह संख्या 103 थी। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अगुआई में नियमों में संशोधन कर इसे अधिसूचित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पारंपरिक गर्मी की छुट्टियों को आंशिक अदालती कार्य दिवस नाम देने का कदम तब उठाया है जब सरकार ने जजों के लिए अलग-अलग छुट्टियों पर एक संसदीय समिति की सिफारिशें कोर्ट के महासचिव और 25 हाईकोर्ट के महापंजीयक के विचार के लिए भेजीं।

गौरतलब हो कि जजों को मिलने वाली लंबी गर्मियों की छुट्टियों को लेकर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से किया गया बदलाव विभिन्न हलकों से होने वाली इस आलोचना के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कि जजों को लंबा अवकाश मिलता है। यह घटनाक्रम उच्चतम न्यायालय नियम, 2013 में संशोधन का एक हिस्सा था, जो अब 5 नवंबर को अधिसूचित उच्चतम न्यायालय (दूसरा संशोधन) नियम, 2024 बन गया है। अधिसूचना में कहा गया है, कि आंशिक अदालती कार्य दिवसों की मियाद और न्यायालय से संबंधित कार्यालयों के लिए छुट्टियों की संख्या ऐसी होगी जो मुख्य न्यायाधीश द्वारा तय की जा सकती है और आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित की जा सकती है,यह रविवार को छोड़कर नब्बे दिनों से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2025 के कैलेंडर के अनुसार आंशिक अदालत कार्य दिवस 26 मई 2025 से शुरू होकर 14 जुलाई 2025 तक रहेंगे साथ ही अवकाश जज शब्द को जज से बदल दिया गया है। अब तक सुप्रीम कोर्ट में हर साल मई-जुलाई के दौरान सात हफ्ते से ज्यादा दिनों का ग्रीष्मकाल अवकाश होता है और इस दौरान 2 से 3 अवकाशकालीन बेंच होती हैं, जिसमें जज सुनवाई करते हैं, इसी तरह दिसंबर में भी जजों की सर्दियों की छुट्टियां होती हैं। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का 10 नवम्बर को रिटायरमेंट है। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन ये उनका ऐतिहासिक फैसला हैं। इससे पहले व मदरसों व अलीगढ़ मुस्लिम विवि पर भी निर्णय दे चुके हैं। इन फैसले के दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। इसकी वजह से वेवजह के मुकदमों की संख्या के घटने में भी मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पारंपरिक गर्मी की छुट्टियों को आंशिक अदालती कार्य दिवस नाम देने का कदम तब उठाया है जब सरकार ने जजों के लिए अलग-अलग छुट्टियों पर एक संसदीय समिति की सिफारिशें कोर्ट के महासचिव और 25 हाईकोर्ट के महापंजीयक के विचार के लिए भेजीं। गौरतलब हो कि जजों को मिलने वाली लंबी गर्मियों की छुट्टियों को लेकर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रदेश सरकार की कारगुजारी का इम्तिहान

डॉ. यश गोयल

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को आगामी 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा उपचुनावों से फिर चुनावी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा। यह उपचुनाव भाजपा सरकार के 11 महीने के कार्यकाल का 'लिटमस टेस्ट' माना जा रहा है, जिसमें यह देखा जाएगा कि सरकार ने जनता को कौन सी योजनाओं का लाभ दिया और उनका कितना प्रभाव पड़ा। इन सात उपचुनावों में झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूंबर और चौरासी सीटें शामिल हैं, जिनमें से पांच सीटें लोकसभा चुनाव 2024 के बाद खाली हुई हैं। बता दें कि इन सात सीटों में से कांग्रेस का चार, बीएपी, आरएलपी और बीजेपी का एक-एक सीट पर कब्जा था। कुल 200 सदस्यों वाली विधानसभा में अभी भाजपा के 114 विधायक, कांग्रेस के 65, बीएपी-3, बसपा-2, आरएलपी-1, निर्दलीय 8, और रिक्त 7 हैं।

इन उपचुनावों का महत्व इसलिए भी है क्योंकि ये भाजपा के कार्यकाल की उपलब्धियों का मूल्यांकन होगा। इन सीटों के लिए राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, जहां परिवारवाद और सहानुभूति आधारित उम्मीदवारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने रामगढ़ सीट पर भूतपूर्व विधायक जुबेर खान के बेटे आर्यन जुबैर को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने इस सीट पर सहानुभूति को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए अपने प्रत्याशी को उतारा है। वहीं भाजपा ने सुखवंत सिंह को टिकट दिया है, जो 2023 विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी से हार चुके थे। झुंझुनू से बृजेंद्र ओला (सांसद) के पुत्र अमित ओला को टिकट दिया गया है, जबकि भाजपा ने राजेंद्र भम्भू को इस सीट पर मैदान में उतारा है। यह सीट ओला परिवार के लिए महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि इस परिवार ने यहां पर कई चुनावों में सफलता हासिल की है। सलूंबर सीट पर भाजपा ने स्व. अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता देवी मीणा को टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस ने रेशमा मीणा को मैदान में उतारा है। यहां बीएपी प्रत्याशी जीतेश कटारा त्रिकोणीय मुकाबला बना रहे हैं।

खींवसर सीट पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने उम्मीदवारों को उतारा है। भाजपा ने रेवत राम डांगा को टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस ने रतन चौधरी को मैदान में उतारा है। इस सीट

पर पहले ही आरएलपी के हनुमान बेनीवाल का प्रभाव था, जिन्होंने नागौर लोकसभा सीट पर भी जीत हासिल की थी। इस सीट पर आरएलपी से हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका प्रत्याशी हैं। दौसा सीट पर भाजपा ने किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने दलित प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा को टिकट दिया है। यह सीट मीणा और गुर्जर समुदायों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां दोनों दल अपनी-अपनी जीत के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दौसा सीट को लेकर दोनों दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है क्योंकि यह सीट राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है। देवली-उनियारा और चौरासी सीटों पर भी जातीय और क्षेत्रीय समीकरण महत्वपूर्ण होंगे। चौरासी सीट पर बीएपी के अनिल कटारा, कांग्रेस के महेश रोट और भाजपा के करिलाल नैनोमा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। चौरासी सीट पर आदिवासी मुद्दों का प्रभाव भी देखा जा सकता है, क्योंकि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आदिवासी विरोधी बयान भाजपा को कुछ हानि पहुंचा सकता है, लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को इस आदिवासी बेल्ट में नुकसान हुआ था। देवली-उनियारा सीट पर कांग्रेस के केसी मीणा और भाजपा के राजेंद्र गुर्जर के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा। इस सीट पर टोंक लोकसभा से जीते हरीश मीणा की प्रतिष्ठा भी दांव पर होगी। इस सीट पर राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पार्टी के प्रभाव और उम्मीदवारों की छवि भी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह उपचुनाव भाजपा के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति प्रस्तुत करता है, क्योंकि पिछले कुछ उपचुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा है, जैसे कि बागीडोरा और सरदारशहर सीटों पर। भाजपा को इन हारों से कुछ सीखने का अवसर मिला है और इस बार वह चुनाव में कुछ नया करना चाहती है।

भाजपा ने अपने विकास के एजेंडे को प्रमुखता से रखा है, जिसमें ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी), किसानों के लिए बेहतर एमएसपी और जनजातीय अधिकारों का मुद्दा प्रमुख हैं। हालांकि, भाजपा के अंदरूनी विवाद और बागी विधायकों का चुनावी हस्तक्षेप पार्टी के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का प्रभाव और उनके समर्थकों की चुप्पी भी भाजपा को मुश्किल में डाल सकती है। इसके बावजूद, भाजपा राज्य के नेताओं, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा उपचुनावों में जीत का दावा कर रही है।

पिछले वाले से अलग होगा ट्रंप का दूसरा कार्यकाल

संजय बारू

दुनिया में और किसी भी सार्वजनिक पद के लिए होने वाला चुनाव वैश्विक स्तर पर इतना ध्यान आकर्षित नहीं करता जितना कि संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति चुना जाना। अमेरिका दुनिया का सबसे प्रभावशाली देश बना हुआ है। इसका राष्ट्रपति दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति होता है, जो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, सबसे बड़ी तकनीकी श्रेष्ठता एवं वैज्ञानिक आधार और सबसे विशाल सशस्त्र सेनाओं की अध्यक्षता करता है। हालांकि, यह अभी भी किसी महिला को अपना राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प ने इस बार के चुनाव में अपने महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह युक्त व्यक्तित्व के बावजूद हिलेरी क्लिंटन और कमला हैरिस को हरा डाला। जाति और वर्ग के वर्चस्व वाली राजनीति में, लैंगिक पहलू पीछे छूट गया। जनमत सर्वेक्षण एक बार फिर से उलट सिद्ध हुए। बर्लिन से लेकर टोक्यो, मॉस्को से बीजिंग, तेल अवीव से लेकर तेहरान और वास्तव में, नई दिल्ली तक भी, प्रत्येक सरकार ट्रम्प द्वारा अपनी टीम के चयन पर बारीक नजर रखेगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा, उन्होंने पिछले कई सहयोगियों से किनारा कर लिया तो वहीं कइयों ने उनका साथ छोड़ दिया। दुनिया ट्रंप को नए सिरे से देखेगी क्योंकि राष्ट्रपति के इर्द-गिर्द नए चेहरे होंगे और व्हाइट हाउस में उनके पिछले कार्यकाल के बाद से दुनिया बदल चुकी है। घरेलू स्तर पर, ट्रंप का पहला काम स्थिरता सुनिश्चित करना और अपने अल्प-सुविधा प्राप्त समर्थकों, खासकर कामकाजी वर्ग को, उम्मीद प्रदान करना होगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था वर्तमान में ठीक-ठाक आगे बढ़ रही है, आर्थिक विकास 2 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि, बेरोजगारी ट्रंप के मुख्य मतदाताओं के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। एक तरफ अपने जैसे करोड़पति और अरबपति वर्ग का लालचीपन तो दूसरी तरफ कम आय वाले और सामाजिक एवं आर्थिक रूप से दबे अपने समर्थकों की जरूरतों के बीच वे संतुलन कैसे बना पाएंगे।

विदेशी मामलों में, ट्रंप यूरोप और पश्चिम एशिया में संघर्ष को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे। उन्होंने चुनाव प्रचार में आर्थिक और विदेश नीति पर 'वाशिंगटन सर्वसम्मति' नामक रुख त्यागने का वादा किया था। उनसे उम्मीद की जाती है वे रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ मित्रता बनाएंगे। परंतु चीन को लेकर कयास है कि सख्त रुख अपनाते हुए उसके उत्पादों पर उच्च आयात शुल्क ठोकेंगे, लेकिन यह भी हो सकता है कि व्यावहारिक समझौतावादी रुख अपनाएं। पश्चिम एशिया में, उनसे ईरान को निशाना बनाने की उम्मीद की जा रही है, शायद सत्ता परिवर्तन के लिए दबाव डालते हुए, कदाचित वे इस्राइल के बेंजामिन नेतन्याहू पर नकेल कसना चाहेंगे। इनमें से प्रत्येक अपेक्षित कार्रवाई का दीर्घकालिक असर अमेरिका और दुनिया पर होगा। क्योंकि ट्रम्प ने अगले चार वर्षों में 'अमेरिका को पुन: महान बनाने' का वादा किया है। ट्रिलियन-डॉलर का सवाल यह है कि क्या ट्रम्प संविधान में बदलाव करते हुए एक व्यक्ति को तीसरी बार राष्ट्रपति बनने वाला प्रावधान बनवाने हेतु दबाव डालेंगे। जो भी हो, लेकिन ट्रम्प का द्वितीय कार्यकाल उनके प्रथम वाले से अलग रहने की उम्मीद की जानी चाहिए क्योंकि उम्र और समय उनके पक्ष में नहीं हैं।

अमेरिका का शासन कैसे चलाया जाए, बेशक ट्रम्प इस पर एक दीर्घकालीन प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन दुनिया को अपने नजरिए और अपनी पसंद के अनुसार चलाने की अमेरिका की क्षमता तेजी से सीमित होती जा रही है। अमेरिका को सहयोगियों और दोस्तों के साथ मिलकर काम करना पड़ेगा। यूरोप और जापान दोनों ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने को लेकर चिंतित हैं। पिछली बार, यूरोप में एंजेला मर्केल और जापान में शिंजो आबे थे। हाल की घड़ी, यूरोपीय या पूर्वी एशियाई नेताओं में कोई एक ऐसा नहीं है जो ट्रम्प के सामने तनकर खड़ा हो सके या उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम हो, बल्कि शायद उनके पिछलग्गू बन जाएं। पुतिन को राहत मिलेगी या नहीं और वोलोदिमीर जेलेंस्की को नर्म पड़ने के लिए कहा जाएगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ट्रम्प और उनके सलाहकार अमेरिका के 'डीप स्टेट' एवं सैन्य-औद्योगिक गठजोड़ और रूस के प्रति बाइडेन के दृष्टिकोण के पीछे कारक रहे तत्वों पर कितना नियंत्रण बना पाएंगे। हालांकि, यह उम्मीद की जानी चाहिए कि पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग दोनों, कम से कम शुरुआत में, ट्रम्प प्रशासन के साथ दोस्ती बनाने की कोशिश करेंगे।

विडंबना और कयास के विपरीत, हो सकता है कि ट्रम्प का पहला साल बाइडेन के आखिरी वर्ष की निस्बत वैश्विक रूप से अधिक शांत रहे। सौभाग्यवश, भारत के समीकरण राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ अच्छे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर, दोनों ने, ट्रम्प के नजदीकी दायरे के लोगों के साथ संपर्क कायम रखा। हालांकि, भारतीय नेतृत्व को इस आधार पर आगे बढ़ना चाहिए कि ट्रम्प का द्वितीय कार्यकाल, तमाम संभावनाओं के साथ, पिछले वाले से अलग होने वाला है। भारत के लिए नीतिगत रुचि के क्षेत्र में, ट्रम्प की आयात-निर्यात नीति और 'अमेरिका फर्स्ट' वाला दृष्टिकोण जिन विषयों में चुनौती पेश कर सकता है, वह हैं, व्यापार, आव्रजन और जलवायु परिवर्तन। मैं उदार अमेरिकी वीजा व्यवस्था का बड़ा समर्थक नहीं रहा क्योंकि यह भारत से प्रतिभाओं के पलायन में मददगार रहा। अगर ट्रम्प के कुछ पुराने सलाहकारों, विशेष रूप से पूर्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर जैसे लोगों की राष्ट्रपति कार्यालय में वापसी हो गई तो परस्पर व्यापार में चुनौती बन सकती है।

वशिष्ठासन

वशिष्ठासन एक लेटे हुए आसन है जो पेट, पैर और बाहों को मजबूत बनाता है। यह शब्द संस्कृत के वशिष्ठ शब्द से आया है जिसका अर्थ है धनवान और आसन जिसका अर्थ है मुद्रा। वशिष्ठ कई विविध योग ऋषियों का नाम भी है, जिनमें वैदिक भजनों के लेखक और सात ऋषियों में से एक शामिल हैं। हाथों की चर्बी को कम करने के लिए वशिष्ठासन का अभ्यास कर सकते हैं। वैसे ये आसन कमर की चर्बी को घटाने में सहायक है। वशिष्ठासन का प्रतीकवाद इस आसन में ही स्पष्ट है। एक हाथ पर सावधानीपूर्वक संतुलन के साथ, इस आसन में व्यक्ति को उस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है जो महत्वपूर्ण है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले प्लैंक पोज़ बना लें। फिर दाईं ओर हाथ-पैर का भार डालें। उसके बाद बाएं पैर और हाथ को ऊपर की ओर उठाते हुए बाएं पंजे को दाएं पंजे पर रखें। बाएं हाथ अपनी जांघों पर रखें। सांस अंदर ले जाते हुए कुछ पल इसी पोजीशन में रहें। अक्सर पहले अस्पष्ट कल्पना उत्पन्न होती है, लेकिन आसन को सही मायने में बनाए रखने के लिए स्पष्ट ध्यान की आवश्यकता होती है।

बाजुओं और पैरों को ठीक करेंगे ये योगासन

लड़कियां अक्सर बिना बाजुओं की टी शर्ट या टॉप पहनती हैं। वहीं शॉर्ट्स या मिनी ड्रेस कैरी करती हैं। मोटी बाजुओं या पैरों में अधिक चर्बी के कारण ऐसे कपड़े पहनने में भद्दा लुक आता है। अधिक मोटापा महसूस होता है। पेट और कमर की चर्बी को आमतौर पर मोटापा समझा जाता है। इसे कम करने के लिए लोग तरह तरह के तरीके अपनाते हैं। लेकिन बाजुओं की चर्बी को कम करने या टोंड लेग्स पाकर आप अपने मन पसंद कपड़ों को सहजता से कैरी कर सकते हैं। हाथों पर चढ़े मोटापे के कारण भद्दा लगता है। इसके लिए लड़कियों को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि इसके लिए योगासन एक अच्छा उपाय है जो आपके हाथ और पैर की चर्बी को कम करने सहायक हैं। इसके लिए योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं। जो योग पेट व गर्दन की चर्बी कम करने के साथ ही लेग्स को टोंड बना सकता है। इससे आपकी शरीर का लुक सही लगेगा।

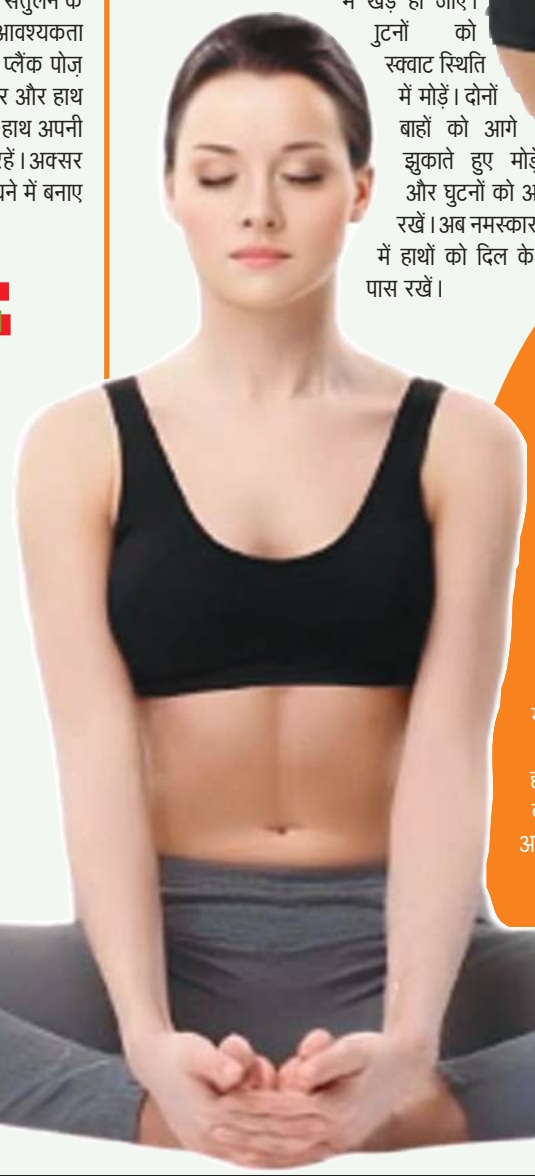

मलासन

पैरों को टोंड बनाने के लिए नियमित मलासन का अभ्यास कर सकते हैं। मलासन जांघों और पैरों को मजबूत करने की बेहतरीन मुद्रा है। इस आसन से निचले शरीर की कठोरता को दूर करने में मदद मिलती है। मलासन जिसे हम सब लोग अंग्रेज़ी में गारलैंड पोज़ के नाम से भी जानते हैं। मलासन का उलेख हमारे पुराणों में मिलता हैं, उसका इस्तमाल ऋषि मुनिओं द्वारा किया जाता था। मलासन एक संस्कृत भाषा का शब्द हैं। जिस का अर्थ मल और आसन से आता है। इसका अर्थ हैं आप मल त्याग करने के समय जिस पेजीशन में आप बैठते हैं वैसे ही आपको इस योग में बैठना हैं। मलासन करने के लिए पैरों के बीच दूरी बनाते हुए ताड़ासन की अवस्था में खड़े हो जाएं। टुटनों को स्क्वाट स्थिति में मोड़ें। दोनों बाहों को आगे झुकाते हुए मोड़े और घुटनों को अंदर रखें। अब नमस्कार मुद्रा में हाथों को दिल के पास रखें।

बद्ध कोणासन

बद्ध कोणासन या बाउंड एंगल पोज को कोब्लर पोज़ भी कहा जाता है। यह बैठकर किया जाने वाला आसन है जो कूल्हें, पेट की मसल्स और जांघों को स्ट्रेच करने में मदद करता है। यह एक ग्राउंडिंग पोज़ है जो मूलधारा, या रूट चक्र को सक्रिय करता है। यह आपको मदर अर्थ की एनर्जी से जोड़ता है, आपको सुरक्षित और मजबूत महसूस कराता है, और आपके कूल्हों को खोलने में मदद करता है। बद्ध कोणासन का नाम संस्कृत के शब्द बंध, कोण और आसन से बना है जिसमें बद्ध का अर्थ है बंधना या बांधना, कोण मतलब एंगल और आसन का मतलब है मुद्रा। इसे यह नाम इसलिए मिला है क्योंकि इसमें आपके पैर के तलवे मिले होते हैं जबकि आपके पैर एक कोण पर मुड़े होते हैं। एक बार जब आप इस मुद्रा में होते हैं, तो आप ध्यान देंगे कि आपके मुड़े हुए पैर भी तितली के पंखों की तरह दिखते हैं, इसलिए इसे तितली आसन भी कहा जाता है।

हंसना मना है

लड़का-डार्लिंग तुम कहां थी, मैं कल से तुम्हारा फोन लगा रहा हूं, लड़की- सॉरी बेबी, मैं फ्रेंड के साथ मॉल में गयी थी, बहुत सारा सामान खरीदा, लड़का-वाओ, क्या क्या लिया? लड़की-ज्यादा कुछ नहीं, बस 2 ब्रेसलेट, 1 रुमाल और 300 सेल्फी।

प्रेमिका (प्रेमी से)- क्या शादी के बाद भी तुम मुझे इतना प्यार करोगे? प्रेमी (प्रेमिका से)- क्यों नहीं? मुझे तो शादीशुदा लड़कियां बहुत पसंद है।

प्रेमिका- तुम तो बस काम में लगे रहते हो! मेरी तो परवाह ही नहीं करते! प्रेमी- एक बात तुम गौर से सुन लो! प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते!

प्रेमी - डार्लिंग मुझे तुम्हारी आंखों में सारी दुनिया दिखाई देती है। पीछे से एक बूढ़ा बोला- हमारी गाय नहीं मिल रही! दिखे तो बताना।

पत्नी ने डॉक्टर से कहा- डॉक्टर साहब ! मेरे पति नींद में बड़बड़ाते हैं। डॉक्टर ने कहा- इसका कोई इलाज नहीं हैं। पत्नी बोली- कम से कम ऐसी कोई दवा तो उनको दीजिए जिससे उनका बड़बड़ाना साफ सुन सकूं।

कहानी | मुर्गी पहले आई या अंडा?

एक बार बादशाह अकबर की राजसभा में एक ज्ञानी पंडित आया हुआ था। वह कुछ सवालों के जवाब बादशाह से जानना चाहता था, लेकिन बादशाह के लिए उसके सवालों का जवाब देना मुश्किल हो गया। इसलिए, उन्होंने पंडित के सवालों के जवाब देने के लिए बीरबल को आगे कर दिया। बीरबल की चतुराई से सभी वाकिफ थे और सभी को उम्मीद थी कि बीरबल पंडित के हर सवाल का जवाब आसानी से दे सकते हैं। पंडित ने बीरबल से कहा, मैं तुम्हें दो विकल्प देता हूं। एक या तो तुम मुझे मेरे 100 आसान से सवाल के जवाब दो या फिर मेरे एक मुश्किल सवाल का जवाब दो। बीरबल ने सोच-विचार करने के बाद कहा कि मैं आपके एक मुश्किल सवाल का जवाब देना चाहता हूं। फिर पंडित ने बीरबल से पूछा, तो बताओ मुर्गी पहले आई या अंडा। बीरबल ने तुरंत पंडित को जवाब दिया कि मुर्गी पहले आई। फिर पंडित ने उनसे पूछा कि तुम इतनी आसानी से कैसे बोल सकते हो कि मुर्गी पहले आई। इस पर बीरबल ने पंडित से कहा कि यह आपका दूसरा सवाल है और मुझे आपके एक सवाल का ही जवाब देना था। ऐसे में पंडित बीरबल के सामने कुछ बोल नहीं पाया और बिना बोले ही दरबार से चला गया। बीरबल की चतुराई और अक्लमंदी को देखकर अकबर हमेशा की तरह ही इस बार भी बहुत खुश हुए। इससे बीरबल ने साबित कर दिया कि बादशाह अकबर के दरबार में सलाहकार के रूप में बीरबल का रहना कितना जरूरी है।

कहानी से सीख: सही तरह से दिमाग लगाने और संयम रखने से हर सवाल का जवाब और हर समस्या का हल मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे।

वृषभ यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है।

कर्क राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें।

सिंह चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे।

कन्या कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिक रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। कुछ नुकसान होगा।

धनु दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा।

मकर मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धनागम के अवसर बढ़ेंगे।

कुम्भ भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मीन यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे।

धर्मेंद्र ने कभी नहीं देखा हेमा मालिनी का स्टेज परफॉर्मेंस

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक हैं। हेमा मालिनी ने 26 साल पहले 1980 में धर्मेंद्र के साथ शादी की थी। हेमा मालिनी अपनी बेटियों के साथ नजर आती हैं। अब उन्होंने अपनी पारिवारिक जिंदगी को लेकर कुछ बातें साझा कीं।

हेमा मालिनी ने एक इंटरव्यू में बताया कि धर्मेंद्र बहुत पारंपरिक और रूढ़िवादी हैं। उन्होंने आज तक मेरा कोई भी स्टेज परफॉर्मेंस नहीं देखा है, हालांकि वे दुनिया भर में बेहद लोकप्रिय हैं। उन्हें लगता है कि मैं स्टेज पर बहुत अलग दिखती हूं। उन्हें लगता है कि जब भी मैं परफॉर्म करती हूं तो मैं उनकी नहीं होती। जाहिर है, मैं बहुत अलग दिखती हूं इसलिए, वह मेरे शो नहीं देखना चाहते।

एक इंटरव्यू के दौरान हेमा मालिनी ने बताया कि धर्मेंद्र अपनी बेटियों के लिए कैसे पिता रहे हैं। हेमा मालिनी ने कहा कि जब भी वे मुंबई आते थे और बच्चों से मिलने जाते थे, उनसे पढ़ाई की बातें करते थे। रही बात कपड़ों की तो वो इस मामले में बिल्कुल स्पष्ट थे। उन्हें हमेशा सलवार कमीज पहनना पसंद है, जिस समय उन्हें घर आना होता है, मेरी बेटियां सलवार कमीज पहन लेती हैं। हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की पहली फिल्म तुम हसीन मैं जवान थी। दोनों ने पहली बार साथ में इस फिल्म में काम किया था।

धर्मेंद्र को रूढ़िवादी मानती हैं ड्रीम गर्ल

धर्मेंद्र के सामने सलवार सूट पहनती थीं बेटियां

हेमा मालिनी ने कहा कि धर्मेंद्र को जींस से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन उन्हें सूट बहुत पसंद है इसलिए मैं भी बेटियों से कहती हूं कि अगर पिता को सूट बहुत पसंद है तो तुम सूट ही पहनो।

द साबरमती रिपोर्ट के ट्रेलर लॉन्च पर एकता कपूर का बड़ा बयान-

मैंने कभी भी लाइफ में डर के काम नहीं किया

टीवी क्वीन और निर्माता-निर्देशक एकता कपूर अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। एकता इन दिनों अपनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की निर्माता एकता कपूर ने धर्म को लेकर ऐसी बात बोली, जिसे सुनकर सभी दंग रह गए।

द साबरमती रिपोर्ट के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब एकता से फिल्म को लेकर सवाल किया गया तो एकता ने बड़ी ही बेबाकी से जवाब देते हुए कहा, मुझे बिल्कुल डर नहीं था, क्योंकि मैंने कभी भी लाइफ में डर के काम नहीं किया है। मैं हिंदू हूं। लेकिन हिंदू का मतलब आप हैं। मैं धर्मनिरपेक्ष हूं, मैं कभी किसी धर्म के बारे में टिप्पणी नहीं करूंगी क्योंकि मैं हिंदू हूं।

27 फरवरी, 2002 की सुबह साबरमती एक्सप्रेस पर क्या हुआ था, इसकी कहानी है फिल्म द साबरमती रिपोर्ट। फिल्म की एक झलक ने ही दर्शकों को हिलाकर रख दिया है, सोचिए जरा जब फिल्म 15 नवंबर को रिलीज होगी तब क्या होगा। साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर हमें एक ऐसी घटना के सफर पर ले जाता है, जिसने भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू को बदल दिया। इस घटना पर इस दृष्टिकोण पर शायद ही कभी चर्चा हुई हो। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत, विक्रिर फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, द साबरमती रिपोर्ट जिसमें विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साबरमती रिपोर्ट एक आगामी हिंदी भाषा की ड्रामा थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म 27 फरवरी 2002 को गोधरा ट्रेन जलाने की घटना पर आधारित है, जिसमें साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन शामिल थी। प्रशंसक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और जानना चाहते हैं कि आखिर 27 फरवरी को गोधरा ट्रेन में आखिर क्या हुआ था।

बॉलीवुड | मन की बात

अब पंगा क्वीन ने हॉलीवुड सितारों को कहा 'जोकर'

कंगना रनौत को इनकी बोल्ड बातों के लिए जाना जाता है। अब कंगना ने हॉलीवुड सितारों पर कमेंट कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की कमला हैरिस पर जीत के बाद हॉलीवुड की मशहूर हस्तियों पर अपनी तीखी टिप्पणी की है। इंस्टाग्राम पोस्ट पर अभिनेत्री कंगना रनौत ने ट्रंप को उनकी जीत पर बधाई दी। हॉलीवुड सितारों पर कटाक्ष करते हुए उन्हें जोकर कहा और कमला की हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। कंगना रनौत ने कहा, क्या आप जानते हैं कि उनकी रेटिंग में भारी गिरावट आई तो इन जोकरों ने उनका सहयोग किया, इसके बाद लोगों का विश्वास कमला हैरिस से हटता गया क्योंकि वे इन लोगों के साथ घूमती हैं। इस बात को कंगना ने हंसते हुए खत्म किया है। कंगना ने सलाह दी कि 200 से ज्यादा हॉलीवुड सेलिब्रिटी ने उन्हें सहयोग किया, जिसके बाद उनके खिलाफ नकारात्मक इमेज बनी। इसके बाद उनके खिलाफ नकारात्मक छवि बनने लगी। टेलर स्विफ्ट, बियोंसे, एरियाना ग्रांडे और जॉर्ज क्लूनी जैसे कई हॉलीवुड ए-लिस्टर्स ने कमला हैरिस का समर्थन किया, जबकि केवल कुछ हस्तियों ने ट्रम्प का समर्थन किया। कंगना के पोस्ट से लगता है कि हॉलीवुड सेलिब्रिटीज का समर्थन कमला हैरिस के लिए नकारात्मक रहा। अपनी इस पोस्ट में कंगना रनौत ने डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस साल डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ। कंगना ने उनके दृढ़ निश्चय की तारीफ की। कंगना ने अपनी पोस्ट पर लिखा कि अगर वे अमेरिकी होती तो उस व्यक्ति को वोट देतीं, जिन्हें गोली लगी। इसके बाद वे फिर उठ खड़े हुए और अपना भाषण जारी रखा..टोटल किलर।

अजब-गजब | भारत ही नहीं विदेशों में भी होते हैं कॉन्टैक्ट किलर

एक किलर ने तो ली थी 492 लोगों की जान!

सुपारी किलिंग का अर्थ है कि किसी की मौत का कॉन्ट्रैक्ट लेकर हत्या करना और बदले में पैसे लेना। आपने फिल्मों में कई कॉन्ट्रैक्ट किलर्स पर बनी फिल्मों को देखा होगा। मगर दुनिया में कई कुख्यात अपराधी हुए हैं, जो कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का काम करते थे। आज हम आपको दुनिया के ऐसे ही कॉन्ट्रैक्ट किलर यानी हिटमैन के बारे में बताने जा रहे हैं। इनमें से एक ने तो करीब 492 लोगों की जान ली थी।

आइसमैन- 6 फीट 5 इंच का कद, आइसमैन निक नेम और 30 साल के करियर में 200 से ज्यादा लोगों की हत्या। अमेरिका के इस शख्स का नाम था रिचर्ड कुकलिंस्की जो कुख्यात हिटमैन था। वो तीर-धनुष से लेकर आरी और साइनाइड के नेज़ल स्प्रे तक से अपने शिकारों की जान लेता था। साल 2006 में 70 साल के होकर आइसमैन की मौत जेल में हुई थी। द एनिमल- अमेरिका के जोसफ बारबोज़ा को द एनिमल के नाम से दुनिया जानती है। उसका ऐसा निकनेम इसलिए पड़ा था क्योंकि एक नाइटक्लब में झगड़े के बाद उसने एक आदमी का गाल काटकर अलग कर दिया था। वो बॉस्टन के पैट्रियार्का क्राइम फैमिली के लिए काम करता था और करीब 26 लोगों की जान ली थी। ये शख्स हमेशा साइलेंसर लगी बंदूक और कार बम का प्रयोग करता था। साल 1976 में जब वो 43 साल का था, तब उसकी गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। द सुपरकिलर- रूस के अंडरवर्ल्ड में काम करने वाले एलेक्सैंडर सोलोनिक को सुपरकिलर कहा जाता था। इस हिटमैन ने करीब 40 लोगों की जान ली थी। ये शख्स पूर्व सोवियत सिपाही था। वो मार्शल आर्ट्स का भी महारथी था। वो दोनों हाथों से बंदूक चला लेता था। 1994 में एक पुलिस शूटआउट में उसे पुलिस ने पकड़ा, पर अगले ही साल वो जेल से भाग निकला। माना जाता है कि 1997 में जब वो ग्रीस में था, तब उसके एक साथी हिटमैन ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी, पर लोगों का मानना है ये झूठी खबर थी, क्योंकि वो उसके बाद से अंडरग्राउंड हो गया था।

हैरी द हेंचमैन- मर्डर इंक नाम की एक गैंग अमेरिका में 1930 में सक्रिय थी। ये गैंग माफिया के लिए सैंकड़ों कॉन्ट्रैक्ट किलिंग किया करती थी। इनमें से एक था हैरी स्ट्रॉस, जिसे पिट्सबर्ग फिल के नाम से भी जाना जाता था। आप जानकर हिल जाएंगे कि इस शख्स ने करीब 500 लोगों को मौत के घाट उतारा है। किसी को बर्फ से मारकर तो किसी को जिंदा दफनाकर वो लोगों की जान लेता था। उसे कई बार गिरफ्तार किया गया, पर वो बच जाता था। 1941 में उसे बिजली की कुर्सी से मौत की सजा सुनाई गई, तब वो 31 साल का था।

ब्रूटल ब्रिट- जॉन चाइल्ड्स नाम का ये ब्रिटिश हिटमैन 1974 से 1978 के बीच सक्रिय था। उस वक्त उसने करीब 6 लोगों की जान ली थी। इनमें एक 10 साल का बच्चा भी था क्योंकि उसने जॉन को उसके पिता की हत्या करते देख लिया था। वो अपने शिकारों को मारने के बाद उन्हें जला देता था। 1979 से वो उम्र कैद की सजा काट रहा है। **जूलियो सैंटाना**- ब्राजील के रहने वाले जूलियो सैंटाना को दुनिया का सबसे खतरनाक हिटमैन माना जाता है। उसने 492 लोगों की हत्या की। आप कहेंगे कि इससे ज्यादा तो हैरी द हेंचमैन ने की थी, तो जूलियो सैंटानो सबसे खतरनाक कैसे हो गया? दरअसल, 492 हत्याएं करने के बाद जूलियो ने गिनना ही छोड़ दिया। ये वो संख्या है जितनी उसने गिनी थी। उसके बाद भी उसने सैकड़ों लोगों की जान ली। 1970 में जब वो 17 साल का था, तब उसने पहली बार किसी की हत्या की थी। इसके बाद उसने नेताओं से लेकर प्यार में धोखा देने वाले प्रेमियों तक को मौत के घाट उतारा। उसके ऊपर एक किताब भी लिखी गई है, जिसका नाम है The Name of Death। कहते हैं कि वो अब 60 साल से ज्यादा का हो गया है और जुर्म की दुनिया छोड़कर भगवान की भक्ति करने लगा है।

प्लेन के होते हैं सख्त नियम, बैग के 2 सेमी ज्यादा बड़ी होने पर चुकाने पड़े 12 हजार

प्लेन में सफर करने के कुछ नियम होते हैं, जिनका पालन हर यात्री को करना पड़ता है। इसमें सबसे प्रमुख नियम है सामानों से जुड़ा। क्या सामान आप कैबिन लगेज में रख सकते हैं और क्या नहीं, इसके बारे में आपको जानकारी होनी चाहिए। साथ ही कैबिन में ले जाने वाले लगेज का वजन कितना हो और चेक-इन बैगज का लगेज, वो भी निर्धारित होता है। पर कुछ एयरलाइन्स में तो बैग का साइज भी पहले से तय कर देते हैं। हाल ही में इंग्लैंड से स्पेन जा रही एक महिला अपने साथ एक बैग लेकर कैबिन में घुस रही थी, तभी उसे रोक दिया गया। उसका बैग देखते ही फ्लाइट अटेंडेंट ने उसे अंदर जाने से रोका। बैग देखते ही उसके ऊपर 8 हजार का जुर्माना लगा दिया गया! जब आप इसका कारण जानेंगे तो हैरान हो जाएंगे। एक वेबसाइट के अनुसार ऑक्सफोर्ड की रहने वाली 45 साल की कैथरीन वॉरिलो पिछले महीने स्टैन्सटेड से सविल जा रही थीं। उन्होंने रयान एयर में बुकिंग करवाई थी। उन्होंने प्रायॉरिटी बोर्डिंग के लिए पहले से पेमेंट किया हुआ था। इसके अलावा वो 10 किलो बैग साथ ले जा सकती थीं और कैबिन में सीट के नीचे रखने के लिए एक छोटा बैग ले जा सकती थीं। पर जैसे ही वो फ्लाइट के अंदर घुस रही थीं, उन्हें फ्लाइट अटेंडेंट ने अंदर जाने से रोका। उसे महिला के बैग से आपत्ति थी। वो इसलिए क्योंकि उनके बैग का साइज, तय साइज से 2 सेंटीमीटर ज्यादा लंबा था। कैथरीने ने कुछ सामानों को बाहर निकाला और अपने एक्सपैंडेबल बैग का स्ट्रैप खींचकर उसे छोटा कर दिया। मगर उसके बावजूद भी उन्हें बैग ले जाने से रोका गया। उनके सामने शर्त रख दी गई कि या तो वो बैग छोड़कर जाएं, या फिर बैग ले जाने के लिए 8 हजार रुपये चुकाएं। उन्हें वो रुपये चुकाना पड़ा। जब वो लौट रही थीं तब भी यही समस्या खड़ी हुई, जिसकी वजह से उन्होंने 3800 रुपये ज्यादा दिए, जिसके बाद उनके बैग को चेक-इन लगेज में डाला गया। इस तरह उन्हें करीब 12 हजार रुपये सिर्फ एक बैग के लिए चुकाने पड़े। हालांकि, बाद में कैथरीन ने कंज्यूमर फोरम में इसकी शिकायत कर दी, और कंपनी को एक मेल भी भेजा। जिसके बाद कंपनी ने उनके रुपये लौटा दिए और कहा कि कर्मचारी सिर्फ नियम के अनुसार कदम उठा रहे थे, पर गुडविल के नाते वो पैसे लौटा रहे हैं।

भाजपा को जीतने नहीं देना है : केजरीवाल

75 साल बाद भी बिजली, पानी व सड़कें जैसे मुद्दे बरकरार

» कार्यकर्ताओं से आप संयोजक बोले - चुनाव में हमें हराने के लिए सबकुछ करेंगे भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने कमर कसनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चुनाव अभियान को मजबूत बनाने के लिए अभियान शुरू किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ महीने में दिल्ली के चुनाव हैं, ये लोग हमें हराने के लिए सबकुछ करेंगे, लेकिन हमें इन्हें जीतने नहीं देना और दिल्ली के कामों को थमने नहीं देना है। अभियान की शुरुआत करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं।

सभी कार्यकर्ताओं के लिए संदेश देते हुए कहा कि आप देश में कहीं भी हो कुछ महीने के लिए सब छोड़कर आम आदमी पार्टी को दिल्ली जिताने के लिए जुट जाएं। पूरी पार्टी ने पिछले दो साल में बहादुरी, साहस और सूझबूझ से सारी कठिनाइयों का सामना किया और हम परिवार के रुप में और मजबूत हुए हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि आजादी के 75 साल बाद इस देश ने पहली बार राजनीति में जनता से जुड़े स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, सड़कें जैसे मुद्दों की बात सुनी है। आम आदमी पार्टी देश की अकेली उम्मीद है, लोगों ने पहली बार देखा है कि अगर सरकार ईमानदार हो जाए तो क्या कुछ नहीं हो सकता। कभी निराशा या गुस्सा आए तो भगवान राम या जिसे आप मानते हो, उसका नाम लेना, मुझे पूरी उम्मीद है जीत आपकी ही होगा।

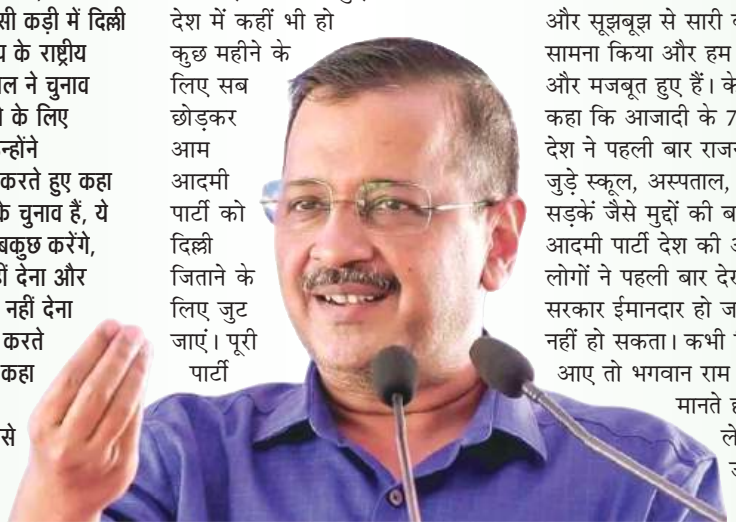

एमएलए बनना आसान, सरपंच चुनाव जीतना मुश्किल

पंजाब में सरपंचों के शपथ ग्रहण समारोह में केजरीवाल बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे हैं। केजरीवाल ने कहा कि सरपंच बनने पर आप सभी को बधाई। आपको जनता ने चुना है इसलिए अपने गांव व लोगों के लिए काम करना है। क्योंकि आपको यह सेवा का मौका मिला है। ऊपर वाला आपके जरिये आपके गांव का भला करना चाहता है। केजरीवाल ने कहा कि विधायक बनना आसान है और सरपंच का चुनाव जीतना मुश्किल है। लोगों ने आपके ऊपर भरोसा जताया है। इसलिए लोगों के लिए अपने गांव के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाना है। गांव से नशा खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाएं।

पराली को लेकर हरियाणा व पंजाब में उठा सियासी धुंआ

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

» प्रदूषण नियंत्रण में सिर्फ पराली पर ध्यान देना गलत : दीपेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरियाणा। पंजाब में पराली को जलाने व उस पर केंद्र सरकार द्वारा जुर्माना लगाने को लेकर वार-पलटवार जारी हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों पर ध्यान देना जरूरी है, केवल पराली को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि प्रदूषण की बात करें तो केवल पराली पर ध्यान केंद्रित करना गलत है। प्रदूषण में वाहनों, निर्माण कार्य, उद्योगों और अन्य स्रोतों का भी योगदान होता है। इन सभी पर समान रूप से ध्यान देने की जरूरत है।

सांसद हुड्डा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त बजट नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से प्रदूषण नियंत्रण के लिए जो बजट आवंटित किया गया है, वह पर्याप्त नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध नहीं है। बढ़ते प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना दोगुना कर दिया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी में जुर्माने की राशि को दोगुना किया गया है।

पराली जलाने का मुद्दा है गंभीर : दलजीत सिंह

पराली जलाने के मुद्दे पर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता दलजीत सिंह चीमा का कहना है कि सिर्फ जुर्माना लगाने से काम नहीं चलेगा, यह कोई समाधान नहीं है। मूल बात यह है कि किसान को पराली क्यों जलानी पड़ती है। चीमा ने कहा कि पॉल्यूशन एक सीरियस प्रॉब्लम है। जुर्माना बढ़ाने से बात नहीं बनेगी और न ही यह समस्या का हल है। किसानों को आर्थिक मदद और मशीनरी मिलनी चाहिए, ताकि वह उन्हें पराली न जलानी पड़ी। चीमा का मानना है कि अगर किसानों की फाइनेंशियल हेल्प जाए और उन्हें सभी तरह की मशीनरी उपलब्ध कराई जाए तो इस समस्या पर कुछ हद तक काबू पाया जा सकता है। वहीं, चीमा ने कहा कि कई योजनाएं कागजों में ही बनती है, लेकिन धरातल पर उन्हें लागू नहीं किया जाता।

एनआईओएस के अध्यक्ष ने जाना छात्रों का हाल

» प्रोफेसर पंकज अरोड़ा ने किया कश्मीर के अध्ययन केंद्र का दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा ने कश्मीर के श्रीनगर स्थित अध्ययन केंद्र का दौरा किया। जहां उन्होंने श्रीनगर ग्रुप ऑफ स्कूल श्रीनगर के केंद्र में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान कश्मीर संभाग श्रीनगर के राज्य पदाधिकारियों, समन्वयकों, शिक्षार्थियों और दिव्यांग शिक्षार्थियों के साथ बैठक की। अरोड़ा ने 30 शिक्षार्थियों से बातचीत की। एनआईओएस के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद प्रो. पंकज अरोड़ा का यह पहला दौरा था।

श्रीनगर केंद्र के शिक्षार्थियों और दिव्यांग शिक्षार्थियों ने प्रो. अरोड़ा को अपनी चुनौतियों के बारे में बताया और जम्मू-कश्मीर एनआईओएस अध्ययन केंद्र को और अधिक सुविधाएं प्रदान करने की मांग की। प्रो. अरोड़ा ने दिव्यांग शिक्षार्थियों की वास्तविक आवश्यकता और सीखने की गति को देखते हुए दिव्यांग शिक्षार्थियों के लिए अलग केंद्र खोलने की मांग को स्वीकार किया। कश्मीर घाटी के एनआईओएस के शिक्षार्थी प्रो. अरोड़ा से बातचीत करते हुए बेहद खुश दिखाई पड़े।

मप्र में जंगलराज, कोई सुरक्षित नहीं : पटवारी

» पुलिस की पिटाई की सीरीज जारी करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पिछले दिनों कई क्षेत्रों में पुलिस से मारपीट के वीडियो वायरल हुए हैं। अब कांग्रेस प्रदेश में पुलिस की पिटाई की सीरीज जारी करेगी। उपचुनाव के बाद प्रदेश बंद कर अभियान चलाएंगे। कटनी में बीजेपी कार्यकर्ता गाली गलौज और गुना ने 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में जंगल राज में आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही है। मेरा बोलना सरकार को बुरा लगता है। प्रदेश ने माफियागिरी हावी है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने एक दिन पहले कहा था कि जीतू पटवारी को मुख्यमंत्री के लिए ऐसे शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिए वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। पटवारी ने पूर्व मंत्री दीपक जोशी के बीजेपी में शामिल होने पर कहा कि दीपक जोशी मेरे पास आए थे। जो गलती मैं नहीं सुधार पाया वो उन्होंने सुधारी, मेरा उनको धन्यवाद। दिग्विजय सिंह पर भड़काऊ भाषण पर बीजेपी की शिकायत पर जीतू पटवारी ने कहा कि सच बोलना क्या गुनाह। शिकायत में क्या कहना चाहती है बीजेपी। क्या पूरा प्रदेश में सही मिल रहा खाद। खाद पर दलालों का कब्जा, खाद की दलाली कर रहे बीजेपी के नेता। 10 फीसदी भी नहीं दे रहे खाद। यह बात दिग्विजय सिंह ने कही तो क्या प्रतिबंध लगाएंगे। बीजेपी को प्राणायाम करने की जरूरत है ताकि दिमाग रहे तंदुरुस्त सत्ता और वोट की राजनीति में सरकार ना रहे मदमस्त।

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- सरकार तारीफ के काबिल करे काम

जीतू पटवारी ने सारंग के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा नेता कहते हैं मैं माफी मांगू मैं सरकार की तारीफ करने तैयार हूं, लेकिन सरकार तारीफ के काबिल काम करे। बेटियों की रक्षा में सरकार नाकाम है। गुना की घटना सरकार के लिए घटना, प्रदेश के लिए बेटी सुरक्षा का बड़ा सवाल है। चुनाव के बाद हम अभियान चलाएंगे। प्रदेश बंद होगा। कटनी में बीजेपी की पुलिस से गुंडागर्दी का पहला मामला नहीं है। पुलिस पिटाई के रोजाना वीडियो आ रहे। कांग्रेस इस सरकार में हुई पुलिस पिटाई की सीरीज जारी करेगी। सीरीज दिखाकर सरकार को आईना दिखाएंगे। एमपी ने जंगलराज, कोई सुरक्षित नहीं है।

भारत ने पहले टी20 में अफ्रीका को दी 61 रनों से मात

» सैमसन के 107 रन की पारी की बदौलत इंडिया ने बनाए 202 रन

» चार मैचों की सीरीज में ली 1-0 की बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

डरबन। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को डरबन में खेले गए पहले टी20 मैच में 61 रन से हराकर चार मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने संजू सैमसन की 107 रनों की विस्फोटक पारी के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 202 रन बनाए।

जवाब में अफ्रीका 17.5 ओवर में 141 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम को पहला झटका पहले ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने दिया। उन्होंने कप्तान एडेन मार्करम को अपना शिकार बनाया। इसके बाद 44 के स्कोर तक तीन विकेट गंवा चुकी दक्षिण अफ्रीका को एक लंबी और मजबूत साझेदारी की दरकार थी। ऐसे में चौथे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई, जिसे वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा। भारत के लिए वरुण और रवि बिश्नोई ने तीन-तीन विकेट चटकाए जबकि आवेश खान को दो सफलताएं मिलीं। वहीं अर्शदीप सिंह ने एक विकेट अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। इससे पहले भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 24 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद ने दूसरे विकेट के लिए संजू के साथ 66 रनों की साझेदारी की। इसके बाद तिलक वर्मा के साथ 77 रनों की पार्टनरशिप हुई। इसके बाद लगातार दूसरे मैच में शतक लगाने वाले संजू 107 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा भारत के लिए कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका।

सैमसन टी20 में सबसे तेज सात हजार रन पूरे करने वाले बने छठे भारतीय

लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ने वाले संजू सैमसन टी20 में सबसे तेजी से सात हजार रन पूरे करने वाले संयुक्त रूप से छठे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं और उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। सैमसन 269वीं पारी के बाद इस उपलब्धि पर पहुंचे। सबसे तेजी से टी20 में सात हजार रन पूरे करने का रिकॉर्ड केएल राहुल के नाम है जिन्होंने इस साल आईपीएल में लखनऊ सुपरजाएंट्स के लिए खेलते हुए ऐसा किया था। केएल राहुल ने इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया था। इसका ओवरऑल रिकॉर्ड पाकिस्तान के बाबर आजम के नाम है जो 187 पारियों में इस उपलब्धि पर पहुंचे थे।

झारखंड : सीएम के करीबियों पर चुनावी छापा!

चुनाव से पहले आयकर विभाग की दबिश से गरमाया सियासी माहौल, झामुमो-कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

» रांची-जमशेदपुर समेत नौ जगहों पर छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में चुनावी प्रचार के बीच एकबार फिर केंद्रीय एजेंसी के इंडे से बीजेपी ने सोरेन सरकार को डराने की कोशिश शुरू कर दी है। इसी के तहत झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी सचिव सुनील श्रीवास्तव के रांची स्थित आवास पर केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी चल रही है। जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग मुख्यमंत्री सोरेन के करीबी और अन्य के ठिकानों पर छापेमारी कर रहा है।

रांची और जमशेदपुर समेत 9 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में कथित अवैध शराब व्यापार और खनन को लेकर ईडी और सीबीआई द्वारा हाल ही में शुरू की गई जांच से जुड़ी है। उधर इसको लेकर सियासत भी गर्म है। विपक्ष ने इस कार्यवाही पर एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उसने कहा है कि हार के डर से मोदी अब अपने एजेंसियों का इस्तेमाल करने लगे हैं। यह कार्रवाई झारखंड में विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले की जा रही है। इन चुनावों में कांग्रेस, राजद और वाम दलों के साथ गठबंधन में सीएम सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और भारतीय जनता पार्टी के बीच कड़ी टक्कर है।

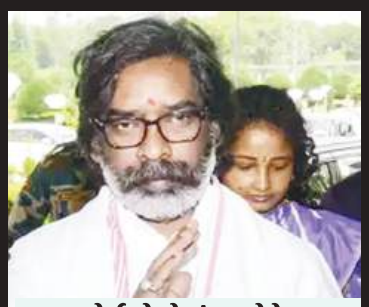

कोर्ट ने हेमंत सोरेन को दी थी जमानत

इससे पहले झारखंड उच्च न्यायालय ने जून में कथित भूमि घोटाले मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दे दी थी। हेमंत सोरेन को जनवरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित आरोपों में गिरफ्तार किया था।

चुनाव में पिछड़ रही भाजपा एजेंसियों का ले रही सहारा : सिन्हा

आयकर विभाग की छापेमारी पर जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा कि यह किसके इशारे पर हो रहा है? इसके पीछे क्या मकसद है? लोग बीजेपी की रैलियों में नहीं आ रहे हैं और इससे उनमें निराशा है। कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए भाजपा विपक्षी नेताओं, विपक्षी नेताओं के निजी सचिवों और उनके समर्थकों पर आयकर और ईडी का छापेमारी करवाकर भय का माहौल बनाना चाहती है। उन्हें लगता है कि इससे हम डर जाएंगे। चुनाव में पिछड़ रही भाजपा आयकर और ईडी का सहारा लेकर चुनाव में आगे बढ़ना चाहती है। राज्य की जनता ने पहले भी भाजपा को सत्ता से बेदखल किया है और इस विधानसभा चुनाव में भी उसे पूरी तरह से नकार देगी।

एजेंसियां अपना काम कर रही हैं : मरांडी

छापेमारी पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। जैसे हम अपना काम कर रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं, वैसे ही वे भी अपना काम कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पहले झारखंड की जनता से माफी मांगनी चाहिए थी। सभी बड़ी फैक्ट्रियां और बांध बने और लोगों को विस्थापित किया गया, उन्हें आज तक न्याय नहीं मिला। उन्हें उन लोगों से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि यह मोदी जी का नया भारत है, आप कितने भी बड़े पद पर क्यों न हों, अगर आपके खिलाफ कोई सबूत है, तो एजेंसियां कार्रवाई करती हैं और यह चुनाव का समय है, इसलिए सभी एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। चुनाव में किसी भी हालत में पैसे का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और जहां भी एजेंसियों को सबूत मिलते हैं, वह कार्रवाई करती हैं।

फोटो :4 पीएम

उपहार सपा कार्यालय में पार्टी प्रमुख ने नोटबंदी की बरसी पर मनाया खजांची का जन्मदिन। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने उसे साइकिल समेत कई वस्तुएं उपहार में भेंट कीं।

फिर सामने आई रेलवे की लापरवाही, तीन डिब्बे पटरी से उतरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एकबार फिर रेलवे की बड़ी लापरवाही सामने आई है। नालपुर में एक ट्रेन दुर्घटना हुई, जहां 22850 सिकंदराबाद-शालीमार सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस के करीब तीन डिब्बे पटरी से उतर गए और पटरी से उतर गए।

सुबह करीब 5.31 बजे खड़गपुर डिवीजन के नालपुर स्टेशन से गुजरते समय ट्रेन पटरी से उतर गई। रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और पटरी से उतरे डिब्बों से यात्रियों को निकाला जा रहा है। दक्षिण-पूर्वी रेलवे के सीपीआरओ ने कहा, दक्षिण पूर्वी रेलवे डिवीजन के नालपुर स्टेशन के पास सिकंदराबाद शालीमार एसएफ एक्सप्रेस के एक पार्सल वैन सहित कुल 3 डिब्बे पटरी से उतर गए। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पहले किया बलात्कार, फिर महिला को जिंदा फूंका!

» मणिपुर में नहीं बंद हो रही हिंसा, जला डाले 17 घर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। साल से ज्यादा होने के बाद भी मणिपुर में के हालात सुधर नहीं रहे हैं। जिरीबाम जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक 7 नवंबर की रात एक 31 साल की आदिवासी महिला के साथ बलात्कार किया गया और फिर उसे जिंदा जला दिया गया।

हमलावरों ने गांव में ताबड़तोड़ फायरिंग के साथ लूटपाट और आगजनी की.बताया जा रहा है कि हमलावरों ने 17 घरों को जलाकर राख कर दिया। पुलिस के मुताबिक इस घटना में पीड़िता के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने एफआईआर में नस्लीय और सामुदायिक आधार पर बलात्कार और हत्या का उल्लेख किया है.। पीड़िता के पति ने पुलिस को शिकायत दी। अभी तक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है।

आदिवासी संगठनों की केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

इस घटना के बाद आदिवासी संगठनों ने केंद्र सरकार से मणिपुर में कुकी-जोमी-हमार समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है। चुराचांदपुर के आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने भी इस जघन्य अपराध के जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है, इससे पहले मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर गृह मंत्रालय ने संवाद की शुरुआत की थी, लेकिन स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

भाजपा नेता की अश्लील रिकॉर्डिंग वायरल

» भाजपा महानगर कमेटी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष ने छोड़ा पद

» जावेद पर धमकी देने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बरेली में भाजपा महानगर कमेटी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अनीस अंसारी एक महिला से नजदीकी के मामले में फंसते नजर आ रहे हैं। महिला व उसके साथियों के खिलाफ वह हनीट्रैप में फंसाकर अवैध वसूली करने के आरोप में दो रिपोर्ट दर्ज करा चुके हैं। अब महिला ने उनके करीबियों पर धमकाने की रिपोर्ट कराई है।

अनीस अंसारी और महिला की कई अश्लील ऑडियो रिकॉर्डिंग वायरल हो रही हैं। इसके बाद भाजपा नेता ने पद छोड़ दिया है। महिला ने बारादरी थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि अनीस अंसारी के करीबी जावेद अंसारी और उसके साथी इरफान आदि ने उसे घर आकर धमकाया। अनीस ने उससे शादी का वादा किया है। जावेद अंसारी अनीस का खास है और वह उसकी शादी नहीं होने दे रहा है। वह जावेद के घर मदद मांगने गई तो उसने धक्के मारकर भगा दिया।

महिला ने आरोप लगाया कि जावेद उसके घर आया और धमकी दी कि इरफान ने अपने भतीजे अयान की कुछ साल पहले हत्या कर दी थी। इसी तरह इरफान उसके बच्चों की भी हत्या कर देगा। विरोध करने पर इन लोगों ने महिला के कपड़े फाड़ दिए और पिटाई की। अश्लील बातों से भरी दर्जनों कॉल रिकार्डिंग वायरल होने के बाद अनीस अंसारी बैकफुट पर आ गए हैं। पार्टी में उच्च स्तर से मामले की मॉनीटरिंग शुरू होने के बाद अनीस ने पार्टी कार्यालय पर जाकर महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना को पत्र सौंपा।

मदद करना गुनाह हो गया : अनीस

आशियाना कॉलोनी निवासी भाजपा नेता अनीस अंसारी ने बातचीत के दौरान सफाई दी है कि महिला उनकी पार्टी से जुड़ी है। गरीबी की वजह से उन्होंने उसकी आर्थिक मदद की। उसे पार्टी में भी जिम्मेदारी दी। अब वह अपने साथियों से मिलकर उनसे वसूली की कोशिश कर रही है। आवाज उनकी नहीं है बल्कि एआई तकनीक से हूबहू तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से अल्पसंख्यक मोर्चा में महानगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देख रहे हैं। अब जब उन पर आरोप लग रहे हैं तो वह इनकी सच्चाई सामने आने तक पद पर रहना नहीं चाहते, उन्हें पदमुक्त कर दिया जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।